

राजपव, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रवेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

द्यिमला, सोयवार. 11 अक्तूबर, १७५3/19 आध्विन, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

कृषि विभाग

अधिमचना

शिमला-2, 28 सितम्बर, 1993

संख्या एप्र-एफ 14(3)/85.—यतः भारत के राष्ट्रपति को यह प्रतीत होता है कि हिमानल प्रदेश संस्कार को तरकारी व्यय पर शर्वजितिक प्रयोजन हेतु नामाः गांव गुम्मा, तहसील कसौती, जिला लोजन में परवाणू मण्डी के लिए रास्ता बनाने हेतु भूमि अजि करनी प्रपेजित है। ग्राएव एतद्वारा यह अभिस्वित विद्या जाता है कि उक्त परिखेल में जैया कि निमाजिखित विवरणों में विनिदिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का श्रजंग अपेजित है।

- 2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इ।से सम्बन्धत हो सकते हैं, की जानकारी के जिए भूमि भर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।
 - 3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राष्ट्रपति, इस समय इस उपकम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और अमिकों को इलाके को किसी भी भूमि में प्रवेश करने अग्रेर सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करन के लिए सहर्ष प्राधि कृत देते हैं।

जिला: सोलन

4. कोई भी ऐसा हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के प्रर्जन पर कोई प्रापित हो, तो वह इस अधिस्वना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिनों की प्रविध के भोतर लिखित रू। में भू-ग्रर्जन समाहर्ता (एस० डी० एम०), सोजन के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है:--

विवरणी

गोव	खसरा नं०	क्षेत्र बीघा विस्वा
-		
गुम्मा	254/1/80/1/2	2 8

कित्ता . .

आदेश द्वारा,

तहसील: कसौली

हस्ताक्षरितः।-ग्रायुक्त एवं सचिव 4